

की जानकारी मिल जाना; दिवाला निकालना-  
दिवाला निकलने की स्थिति निर्माण कर देना,  
ऋण चुकाने में असमर्थ हो जाने की घोषणा  
करना।

**दिवालियापन** पुं. (देश.) दिवालिया होने का भाव

**दिवास्वप्न** पुं. (तत्.) 1. दिन का स्वप्न 2. दिन  
में सोना 3. जागते हुए भी स्वप्न देखना 4.  
मन में इच्छाएँ पूरी होने की कल्पना करना,  
हवाई किले बनाने का भाव।

**दिवास्वप्न देखना** अ.क्रि. (देश.) ऊँची ऊँची  
कल्पनाएँ करना।

**दिव्य** पुं./वि. (तत्.) 1. दिव से संबंधित, अलौकिक,  
भव्य 2. पवित्र 3. आनंद दायक 4. चमकदार,  
**तेजोमय** पुं. (तत्.) 1. साहि. नायक के तीन भेदों  
में से एक 2. नीति प्राचीन काल में प्रचलित  
एक प्रकार का साक्ष्य, जिसके पीछे मान्यता थी  
कि अपराधी का निर्णय प्रकृति स्वयं करेगी, इसके  
लिए संशयित व्यक्ति को अग्नि में जलाना भी  
एक प्रकार होता था, सीता की अग्निपरीक्षा भी  
इसी विधि से हुई थी।

**दिव्यगंधा** स्त्री. (तत्.) 1. जिसमें दिव्य (अलौकिक)  
सुगंध हो 2. बड़ी इलायची, बड़ी चेंच का साग।

**दिव्यगायन** पुं. (तत्.) गंधर्व, एक काल्पनिक मानवेतर  
जाति जो गायनकला में प्रवीण मानी जाती थी।

**दिव्यचक्षु** पुं. (तत्.) 1. सुंदर नेत्रों वाला 2. नेत्रहीन,  
अंधा, प्रजाचक्षु।

**दिव्यज्ञान** पुं. (तत्.) अलौकिक ज्ञान, ऐसा ज्ञान  
जो सामान्य व्यक्ति को नहीं होता।

**दिव्यता** स्त्री. (तत्.) 1. दिव्य होने का भाव, क्रिया  
रूप या अवस्था 2. स्वर्ग जैसा, देवताओं जैसा,  
देवी, देवत्व 3. श्रेष्ठता, अलौकिकता, दिव्यत्व 4.  
सुंदरता, पवित्रता, भव्यता।

**दिव्यदर्शी** वि. (तत्.) असामान्य दृष्टि रखने  
वाला, अलौकिक पदार्थों, घटनाओं को देखने में  
समर्थ, ज्योतिषी।

**दिव्यदृष्टि** स्त्री. (तत्.) अलौकिक या भविष्य संबंधी  
घटनाओं को देखने की शक्ति, सूक्ष्मदृष्टि।

**दिव्य पंचामृत** पुं. (तत्.) पाँच दिव्य पदार्थों का  
योग, गाय का घी, दूध, दही, शहद और शर्करा  
को मिलाकर बना हुआ पदार्थ (पंचामृत)।

**दिव्य परीक्षा** पुं. (तत्.) दे. दिव्य।

**दिव्य वाक्य** पुं. (तत्.) आकाशवाणी, आकाशमार्ग  
से सुनी गई दैवी वाणी (जिसे भगवान् या किसी  
ऋषि की वाणी माना जाता है)।

**दिव्य सरिता** स्त्री. (तत्.) मंदाकिनी, गंगा।

**दिव्यांगना** स्त्री. (तत्.) स्वर्ग की अप्सरा।

**दिव्या** वि. (तत्.) 1. दिव्य या अलौकिक गुणों से  
युक्त (स्त्री) स्त्री. 1. लोकोत्तर नायिका 2.  
आयु. हरीतकी, ब्राह्मी, कर्कोटकी, श्वेतदूर्वा,  
शतावरी आदि जड़ी बूटियाँ।

**दिव्यादिव्य** वि. (तत्.) साहि. मध्यम कोटि का  
नायक जिसमें दिव्य (दैवी) और अदिव्य (मानुषी)  
दोनों प्रकार के गुण होते हैं स्त्री. दिव्या दिव्या-  
इस प्रकार के गुणों वाली नायिका।

**दिव्यास्त्र** पुं. (तत्.) दैवी अस्त्र, देवताओं के अस्त्र,  
ऐसे अस्त्र जो निष्फल नहीं होते परंतु जिन्हें  
देवताओं की कृपा के अभाव में चलाया नहीं जा  
सकता, ये अस्त्र मंत्रशक्ति से ही चलते हैं।

**दिशा** पुं. (तत्.) दे. दिक्।

**दिशानिर्देश** पुं. (तत्.) कार्य करने की विधि या  
पद्धति (बतलाना)।

**दिशाभ्रम** पुं. (तत्.) 1. किस दिशा में जाना उचित  
होगा इस विषय में भ्रम होना, दिग्भ्रम 2.  
रास्ता भटक जाना।

**दिशावकाश** पुं. (तत्.) 1. चारों दिशाओं के बीच  
के कोण-अग्नि कोण, नैऋत्य कोण, वायु कोण  
और ऐशान्य कोण 2. दो दिशाओं के बीच का  
भाग।

**दिष्ट** पुं. (तत्.) भाग्य, काल वि. वर्णित, निश्चित,  
आदेश या उपदेश किया हुआ।